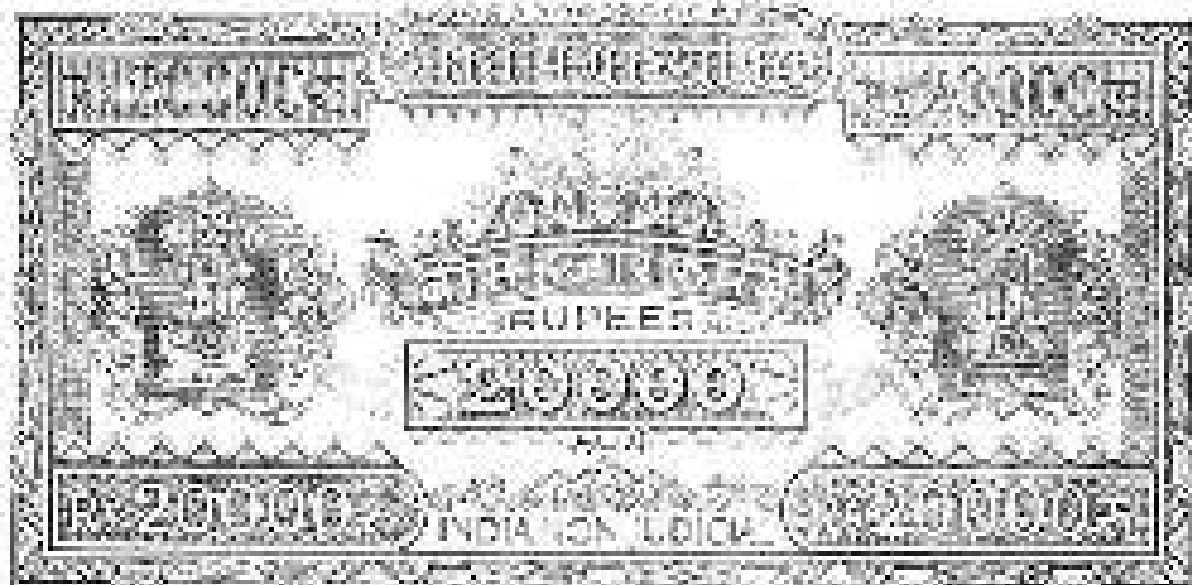




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

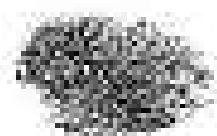
10/1/20



### विक्रय विलेख

विक्रय मूल्य : ₹ 2,37,043/-  
 बाजार मूल्य : ₹ 1,10,200/-  
 व्यापक मूल्य : ₹ 73,800/-  
 परतना : मिर्जापुर

यह विक्रय विलेख मेखलाल पुत्र लाल श्यामलाल, निवासी राम  
 गुजरापुर नगर मुख्यालय, परतना मिर्जापुर, तहसील ४ जिला  
 लखनऊ जिले को निवेष्टा का माल है, एवं बिना पुन



10/1/20

100

25 34 11

40 72 70 65

$$S_{\text{max}} - U_2 = 52.6 \text{ V}$$
[illegible]

विशाल जंगल में एक नदी बह रही थी।  
 एक बूढ़ा व्यक्ति उस नदी के किनारे खड़ा था।  
 उसने कहा कि मैं यहाँ बहुत दिनों से आ रहा हूँ।  
 मैंने देखा कि यहाँ की जमीन बहुत अच्छी है।  
 मैंने देखा कि यहाँ के लोग बहुत अच्छे हैं।  
 मैंने देखा कि यहाँ के पक्षी बहुत अच्छे हैं।  
 मैंने देखा कि यहाँ के फूल बहुत अच्छे हैं।  
 मैंने देखा कि यहाँ के पेड़ बहुत अच्छे हैं।  
 मैंने देखा कि यहाँ के पत्थर बहुत अच्छे हैं।  
 मैंने देखा कि यहाँ के सब कुछ बहुत अच्छे हैं।



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1951

(2)

जानेभार कोरी, निवासी-मिर्जापुर, मिर्जापुर, पोस्ट-नयागढ़,  
जिला-मिर्जापुर, 3030 ग्रिड आने जिला कागज गवा है, की गवा  
निष्पादित किया गया।

रत कि किनेला भूमि हासल सलवा-404 टयवा 0.297  
हेक्टेयर में से 1/5, अर्थात् 0.049 हेक्टेयर व हासल सलवा 351  
रकवा 0.548 हेक्टेयर में से 1/2, अर्थात् 0.274 हेक्टेयर इस  
प्रकार कुल 41 जिला व कुल रकवा 0.373 हेक्टेयर, रिगत आने



सिन्हा  
20-5-51



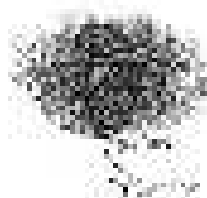


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

105572

-3-

मुगलकर नगर मुसफा नगरा बिलनीर, लखीम व  
मिला लखनऊ, के मालिक, लखनऊ व काबिल है तथा अखिल  
सन्तानि पदार्थिक खाता खर्चनी कम संख्या। 194 व 198 के  
अनुसार अख भूमि विज्ञान के नाम का अमल अखिल राज्य  
अभिलेखी दिनांक 10.11.2004 को ही गया है, अख भूमि विज्ञान  
को विरासत में मिली है विज्ञान अपना लक्ष्य दिशा अपनी गुरु



105572



10000

इसी त्वाल में निम्न दिखी जोर जबरदस्ती का दखल रहे, मीता को  
 इस विक्ताय बिज्जस द्वारा गितल पर रहा है बिज्जस अपरोख्त  
 राज्य भूमि के मालिक, फामिल व फामिल है एवं बतमान समय में  
 ज्वा भूमि कृषि भूमि है और यह कि गितला यह सोपित चलता है  
 कि उपरोक्ता वर्णित भूमि समी फलान को मारो से मुक्ता एवं पाक  
 व साफ है तथा दिखता में ज्वा इस दिखता के पुरे पुरी नव, दिना

10000  
 10000

10000  
 10000

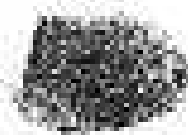


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

813352

- 3 -

किसी या अनुबंधित इलादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्रवाई के अनंतगत विवाद या दस्तु विषय नहीं है, न ही बूझा इत्यादि है। विवेका के अलावा अन्य भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या हस्त इत्यादि नहीं है, एवं विवेका को अपने विवेक अनुसार करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। आण्ड्र उपरोक्त दस्तावेजों के



१०/१०/१०

१०/१०/१०



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

613283

-e-

पसलकरन नं० 7,57,848/- लिपिका मान मान सीरीस इका

अदालतिस मात्रा के प्रयोग में मिलना कि उपरोक्त रकम द्वारा

दिलेता की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में दर्जित सिधि

के अनुसार गुलाम कर देना गया है एवं जिसकी वसति की

दिलेता उहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार अन्त विलेख अन्त कला

के रूप उपरोक्त वर्जित भूमि विलेख विवरण हरा दिख्य दिनेर



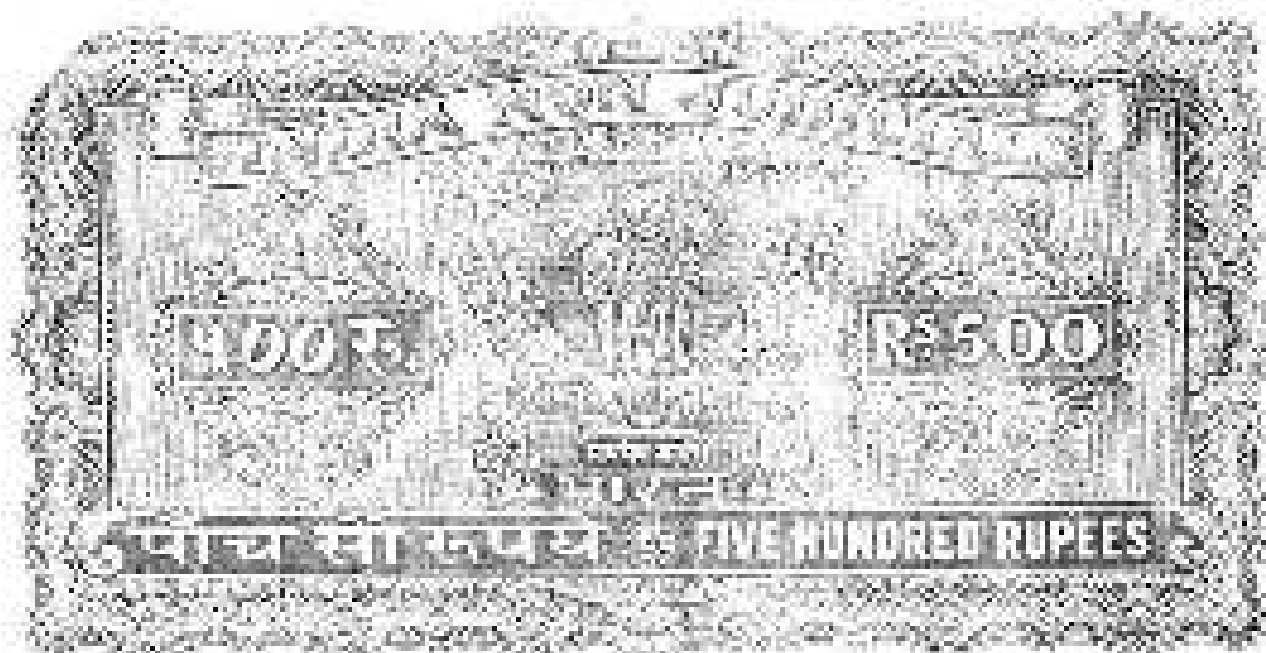


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

813254

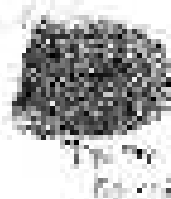
के अलावा मैं अनुसूची के अन्तर्गत दिशा गया हूँ, जो बिल्कुल सही दिया  
है, एवं विवेका ने विवेकाशुभा दूरी का लोच पद कक्षा कक्षा को  
बढ़ाई कर दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विवेका तथा  
उसके दाहिना का कोई अधिकार नहीं है। विवेका ने विवेकाशुभा  
सम्पत्ति को अपने सम्पत्ति के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया  
व सम्पत्ति के लिए अर्थात् को हस्तांतरित कर दिया है। अब उक्त





- 8 -

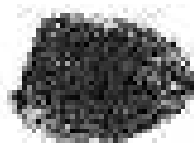
विश्वश्रुता सम्पत्ति एवं उसके पर्यटक भाग की अपने एकमात्र  
स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं  
उपयोग व सम्भोग करेगा। विदेशी जगहें किसी प्रकार की अड्डाल  
प्राप्त नहीं कर सकेंगे एवं न ही कोई भाग कर सकेंगे। और यदि  
विश्वश्रुता सम्पत्ति अथवा कोई भाग विदेशी के स्वामित्व में गिरि  
के कारण या कानूनी अड्डाल या कानूनी गिरि के कारण प्रेता या



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29

उसके चारित्र्य निष्पादकान् इत्यादि यो कहे का अधिकार या  
स्वयं से निकल जाये तो होता जगत् चारित्र्य, निष्पादकान्  
इत्यादि यो कह का होता कि यह अपना कामल मुकसान का  
होता न लखा, विज्ञता की बात, जगत् सम्पत्ति से जगत् जगत्  
मस्तुन कर ले। उस स्थित में विज्ञता का उसके चारित्र्य होता न  
लखा की लेना भाव्य होता।



विज्ञता



विज्ञता



विज्ञता



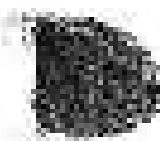
विज्ञता

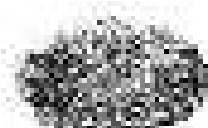
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

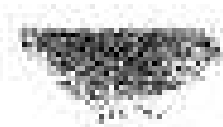
20/11/20

(12)

यह कि जेता विजयशुद्ध सम्पत्ति की दायित्व लाहौर  
राजस्व अभिलेखा में अपने नाम दर्ज करा रहे तो विवेका को कोई  
आपत्ति न होगी और यह कि इस विजय जिले के पुराने का अगर  
कोई बकाया मिली तब यह बात इस सम्पत्ति पर होगा तो  
उसको विवेका मुआवजा दे रहने करेंगे, विवेका को कोई आपत्ति  
न होगी।

  
J. P. Singh

  
J. P. Singh

  
J. P. Singh

  
J. P. Singh

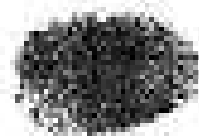
उत्तर प्रदेश (UTTAR PRADESH)

30/10/27

198-...

-11-

यह कि ऊपरवाले काले नमूने ग्राम मुजफ्फर नगर थानेवाल  
अपेक्षाहीन क्षेत्र में विनिर्मित ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए  
निर्धारित सरफिश रक २० 11,00,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब  
से विक्रीत भूमि 0.373 हेक्टेयर को मातृगत रक 4,10,200/-  
लगी है, चूंकि निकट भूखंड, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है  
इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रक २० 33,00,000/- अन्तर्गत



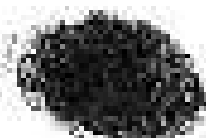
...

रक्षित अथ किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विहीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए ब्रह्म की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, या निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मीटर के अर्धवृत्त में कोई निर्माण नहीं है। विहीत भूमि किलो मीटर जिनक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विहीत भूमि शहरी गण के लगभग एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विकला एक ऐसा दोन्ना अनुसूचित जाति के सदस्य है। इस विकला विकला के निबन्धन पर समस्त व्यव प्रोत्सा द्वारा बहन किया गया है।

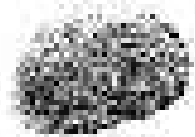
निम्नानुसार यह विकला विकला के जेता के जेता में स्थित दिया ताकि सन्ध के और आवश्यकता पड़ने पर काम आये।

परिशिष्ट : विवरण विकलागुल्य संपत्ति का विवरण

खसरा संख्या-409 एका 0.207 हेक्टेयर में से 100  
अर्थात् 0.049 हेक्टेयर व खसरा संख्या-852 एका 0.648



सि.स.  
सं. 100/100



सि.स.  
सं. 100/100



हेक्टेयर में से 1.2, अर्थात् 0.224 हेक्टेयर इस प्रकार कुल दो किताब कुल लम्बा 0.373 हेक्टेयर, स्थित ग्राम मुजफ्फर नगर मुजफ्फर, मरगा विजली, तहसील व जिला-लखनऊ, जिसकी सीमाएँ निम्न हैं।

खसरा नं० 351

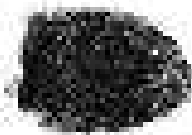
पूर्व : खसरा संख्या-356  
 पश्चिम : खसरा संख्या-405  
 उत्तर : खसरा संख्या-405  
 दक्षिण : खसरा संख्या-410

खसरा नं० 352

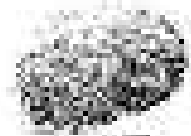
पूर्व : खसरा संख्या-339  
 पश्चिम : खसरा संख्या-355, 356  
 उत्तर : खसरा संख्या-351, 365  
 दक्षिण : खसरा संख्या-354, 388

पारिशद : मुजफ्फर विवरण

कुल विक्रय मूल्य रु० 2,37,048/- (दोपचा सार लाख तीस हज़ार अक्षतल्लि मात्र) व से विभाजित का रु० 5,00,000/- (सत्तर पाँच लाख मात्र) की पैक सं० 453730, व रु० 2,37,048/- (दोपचा दो लाख तीस हज़ार अक्षतल्लि



डि. को.  
लखनऊ



डि. को.  
लखनऊ



डि. को.



मात्र: द्वारा बैंक संख्या-455731 दिनांकित 15.06.2006.  
 जाहीकर्ता बैंक प्रचार नेशनल बैंक शाखा हजाराबा, लखनऊ  
 विज्ञेता ने जेला ली प्राप्त किये तथा जिसकी प्राप्ति विज्ञेता  
 स्वीकार करता है।

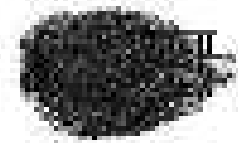
लखनऊ

दिनांक: 15.06.2006

समाप्त

1. 

*T. P. Singh*  
*Joint Secretary (Banking)*



स.स.

(सिन्हा)

2. *Joint Secretary*

*1st, Union Mahal Road,*  
*Lucknow*



स.स.

स.स.

(सिन्हा)

साईकल

(वाह लगेगी)

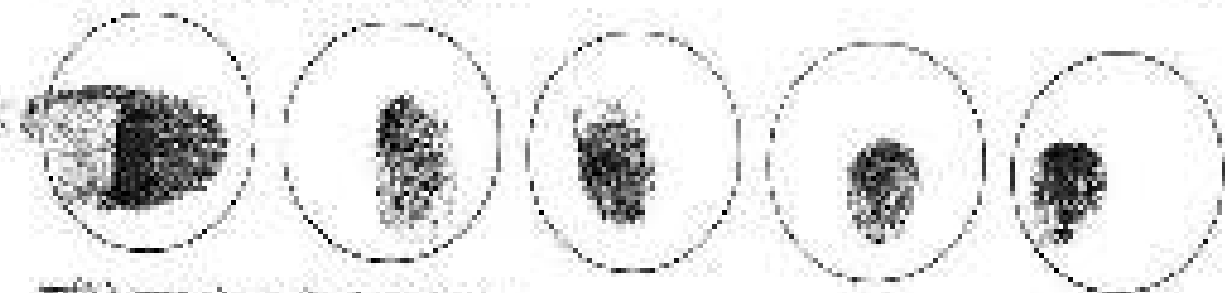
मसविदाकर्ता

(सिन्हा)  
 (सिन्हा अन्तर हसन)  
 लखनऊ

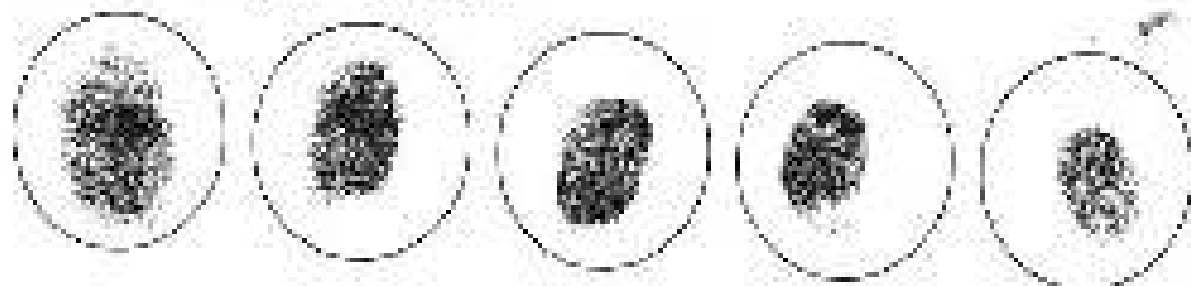
जिट्रेशन अधि० १९०८ की धारा-३२ ए० के अनुपालन हेतु,  
फिगरां प्रिन्ट्स

अनुसूचक/विशेष गणन गता : १६७०८४२५३५७

बसो भाव मे जगुल्लेख के वि- -



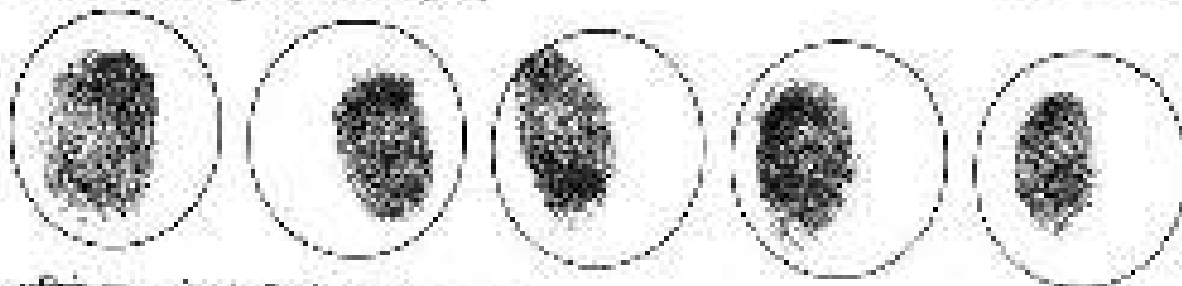
बाहिने साथ के अनुनिर्ग के निम्न :-



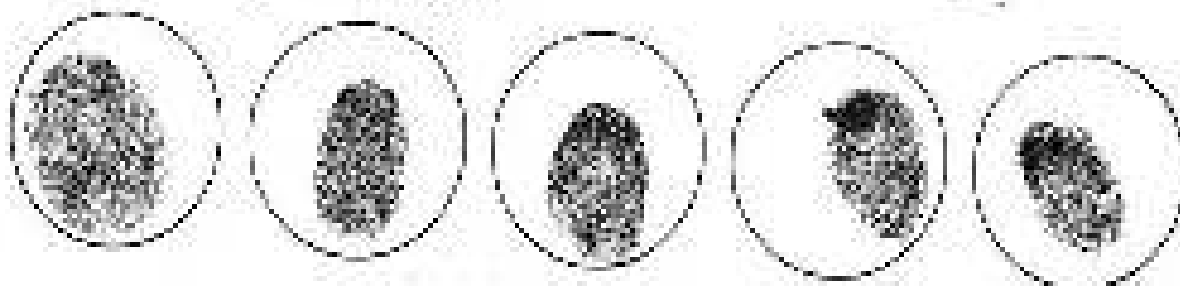
मिस्त्रा/अंगण गुरु/पूजा : .....  
 .....  
 माये हस्त के अंगुलियों के चेषः .....

प्रश्न/उत्तर/विचार

माये ७२४ के अंगुलिनी के चेहरे :-



आदिन त्रय के अनुष्ठानों के विवर :-



संस्कृत/अंग्रेजी के अंतर



100

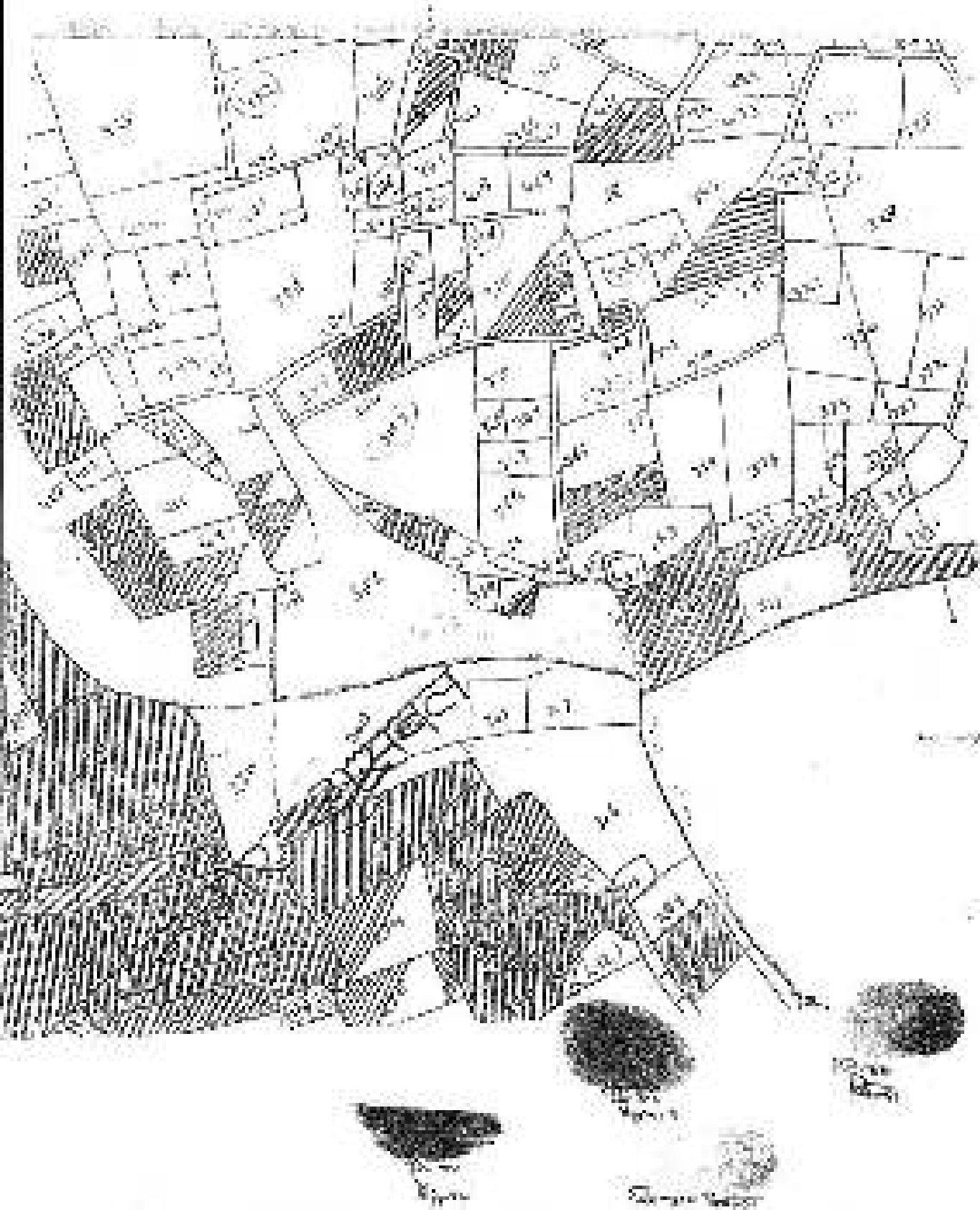
Handwritten text at the top of the page, possibly a title or reference number.

Handwritten text, possibly a date or location.

Handwritten text, possibly a description or note.

Handwritten text, possibly a name or title.

Handwritten text, possibly a signature or date.



१.

आपके लिए  
पुस्तक संख्या...  
दृष्टि...  
संविधान...  
अ... (प्रकाश)  
...

